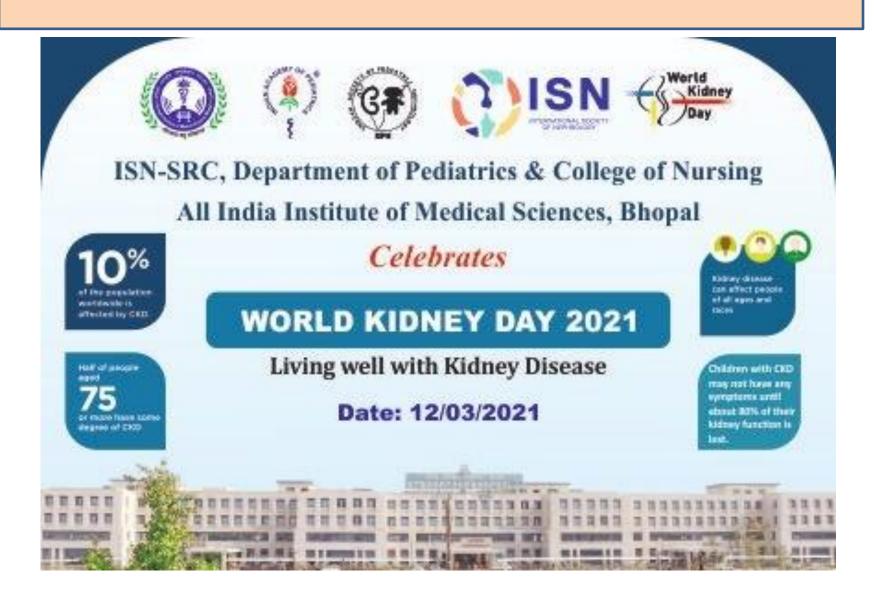
#### GLIMPSE OF WORLD KIDNEY WEEK CELEBRATION



## State Level Post Graduate Quiz (8.3.2021) Endorsed by ISPN



#### Kidney Day Celebration: Undergraduate Quiz 9.3.2021



# Kidney Day Celebration: Undergraduate Quiz



#### Kidney Day Celebration: Nursing Quiz/Assay competition 9.3.2021



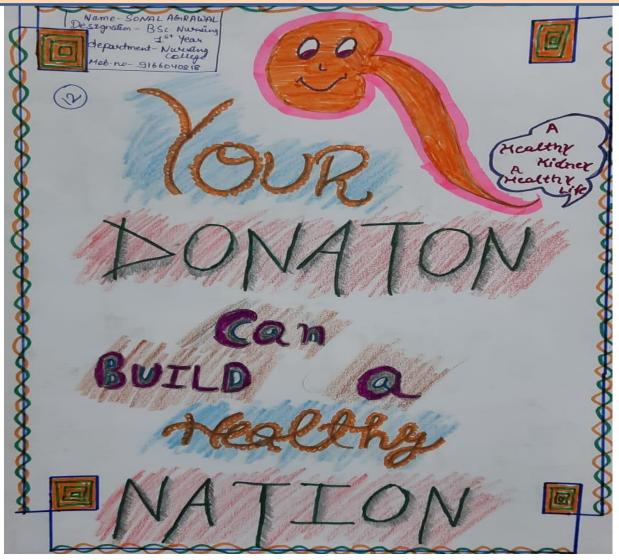
# Kidney Day Celebration: Best Bywords for the Society

 $(\bigcirc)$ Prenatalı Lesting Better than Medication & Surgery Name: SURABHI Batten : B. Se(H) Nursing Department: Nursing Condact no : 638730426

# Kidney Day Celebration: Best Bywords for the Society

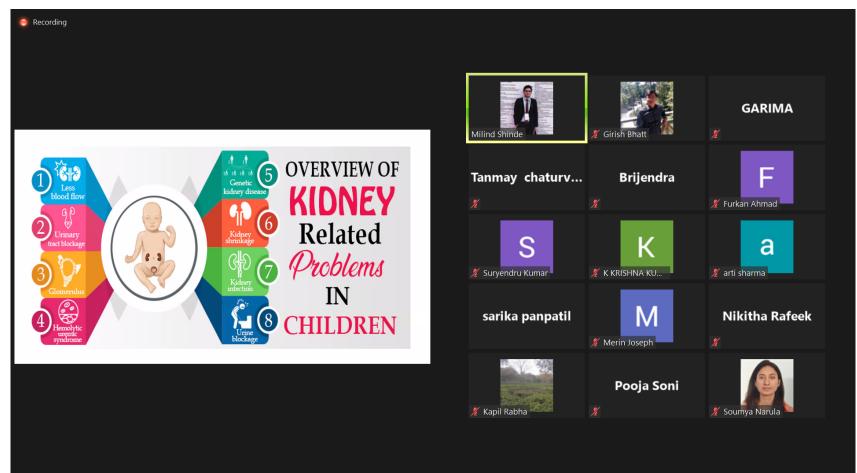


# Kidney Day Celebration: Best Bywords for the Society

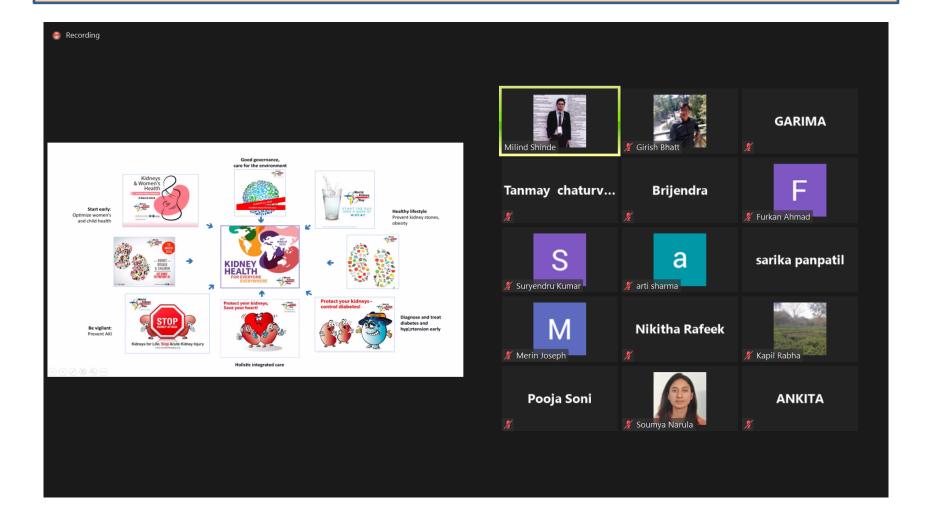


# Parent's Awareness Webinar:11.3.2021

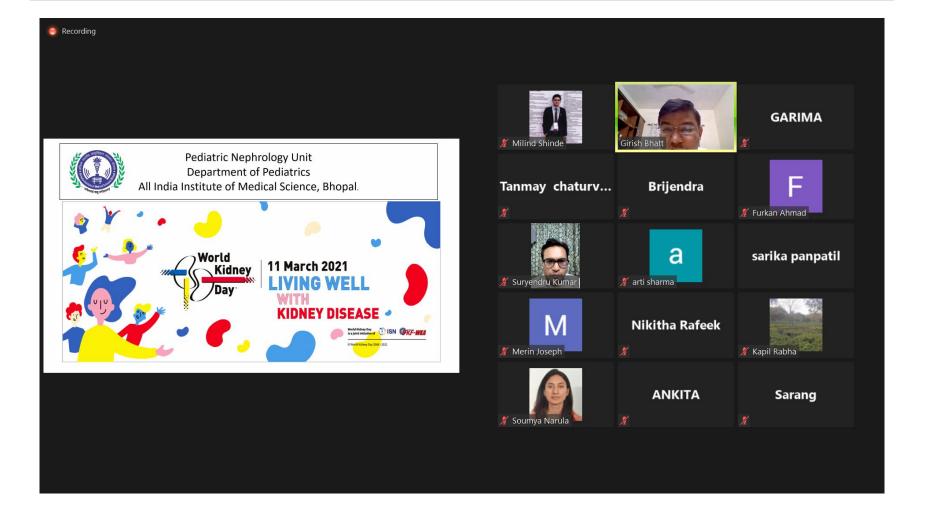
Kids kidney support group formation by Parents



## Parent's Awareness Webinar: Awareness talk by Dr Milind



## Parent's Awareness Webinar: Parents Queries answered by Dr Girish



## Activities of Children with Kidney Disease: Slogans/Poster/Fancy dress



# Activities of Children with Kidney Disease: <u>Slogans/Poster/Fancy dress</u>



# AWARENESS CAMPAIGN IN OPD



# Parent information booklet and Press release



# बच्चों में बढ़ रहे गुर्दे संबंधी रोग रोकथाम\_ के लिए एम्स में होगी वंशानुगत जांच

#### स्वदेश संवाददाता, भोपाल

जीवनशैली और बिगडी अव्यवस्थित खानपान के कारण न केवल बडे लोगों में बल्कि बच्चों में गुर्दे से संबंधित बीमारियां लगातार बढ रहीं हैं। पेशाब में जलन होना, पेशाब की धार विपरीत दिशा में जाना, पेशाब के साथ खुन आना ये किडनी संबंधी बीमारियों के लक्षण होते हैं। बच्चों के माता-पिता को जागरूक रहकर तुरंत जांच व उपचार कराना चाहिए। ऐसा देखा जा रहा है कि वंशानगत (जेनेटिक) किडनी की बीमारियां बढ रहीं हैं। इसके लिए एम्स भोपाल में जेनेटिक टेस्टिंग ट्यूबूलर डिसीज के लिए न केवल जांच व ट्रीटमेंट किया जाएगा बल्कि पूरे देश भर से जेनेटिक टेस्टिंग के लिए सेंपल यहां आएंगे और एम्स भोपाल में उनकी रजिस्टी तैयार की जाएगी।



#### समय से बीमारी की पहचान जरूरी

एम्स भोपाल के डायरेक्टर प्रो. सरमन सिंह ने कहा कि समय से किडनी संबंधी बीमारी की पहचान जरूरी होती है। किडनी रोगों से ग्रसित 15 से 20 प्रतिशत बच्चों को लाइफ सेविंग ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। इसके लिए स्टाफ को ट्रेनिंग देने की जरूरत है। पीडियाट्रिक नेफोलॉजी की इसमें अहम भूमिका है। बच्चों के उपचार करने वाले सभी सहयोगी विभागों ने बीते सालों में बेहतर काम किया है।



जेनेटिक टेस्टिंग के लिए देश भर के सेंपल आएंगे एम्स भोपाल, रखा

एम्स के पीडियाट्रिक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गिरीश भट्ट के अनुसार किडनी संबंधी रोगों की जागरूकता के लिए 2006 में सबसे पहले इसकी शुरूआत हुई थी। हर साल अलग-अलग थीम होती है। इस साल का विषय लिविंग वेल विद किडनी डिसीज यानि किडनी रोग के साथ अच्छे से जीना। इसके अंतर्गत किडनी संबंधी बीमारियां जल्द पकडने के लिए पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, नेफोलॉजी, एंडोक्रायोनोलॉजी में भी बढावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

#### मेञ्जीन यूनिवर्सिटी कनाड़ा के सहयोग से हो रहा इलाज

एम्स भोपाल के शिशु रोग विभाग की एचओडी डॉ. शिखा मलिक ने बताया कि मेग्जीन यूनिवर्सिटी कनाडा के साथ एम्स ने अनुबंध किया है। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफोलॉजी में माहवार केस डिस्कस किया जाता है। एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए प्रयासों की बदौलत हम सी लेवल से बी लेवल पर आ गए हैं। यहां रिसर्च, टीचिंग, पेशेंट केयर के रिकॉर्ड के आधार पर ये ग्रेड अपग्रेडेशन हुआ है।

Bhopal Main-Edition Edition Mar 15, 2021 Page No. 3 Powered by : eReleGo.com